



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 281]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 10, 1986/आषाढ़ 19, 1908

No. 281]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY, 10 1986/ASADHA 19, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Page is given to this Part in order that it may be used as
a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1986

का. प्रा. 415 (अ) :—कम्पनी विधि बोर्ड का समाधान हो गया है कि पालवान इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड के, जो कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निर्गमित एक सरकारी कम्पनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय पालवान हाउस, पालवान सलाई, मद्रास-600002 में है, मुख्य उद्देश्यों को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए और उपस्कर, कामिक तथा सामग्री के सीमित साधनों के उपयोग को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए, प्राटोमोबाइल उपसाधनों के विनिर्माण, सड़क परिवहन और सहबद्ध क्रियाकलापों की नीति और उसके दक्ष तथा आर्थिक विस्तार तथा कार्यकरण में समन्वय सुनिश्चित करने के लिए, लोकहित में यह आवश्यक है कि पालवान ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन लिमिटेड को, जो कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निर्गमित एक सरकारी कम्पनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय पालवान हाउस, आम्ना सलाई, मद्रास-600002 में है तथा उक्त पालवान इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड को एक कम्पनी में समावेशित किया जाना चाहिए।

और प्रस्तावित आदेश के प्राकृत्य को एक प्रति पूर्वोक्त कम्पनियों अर्थात्, मैसर्स पालवान ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन लिमिटेड और मैसर्स पालवान इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड को समाचारपत्र में प्रकाशन के लिए भेजी गई थी तथा कम्पनी विधि बोर्ड ने समावेशन की इस स्कीम की बाबत किसी व्यक्ति से कोई धांधले/सुझाव प्राप्त नहीं किए हैं।

अब, अब : कम्पनी विधि बोर्ड, भारत सरकार के कम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं. मा. का. नि. 443 (अ.), तारीख 18 अक्टूबर, 1972 की अधिसूचना के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त दोनों कम्पनियों के समावेशन का उपबंध करने के लिए निम्नलिखित आदेश करना है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम :—इस आदेश का संक्षिप्त नाम पालवान इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड और पालवान ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन लिमिटेड (समावेशन) आदेश, 1986 है।

2. परिभाषाएं :—इस आदेश में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) "नियत दिन" से वह तारीख जिसको यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित किया जाता है, अभिप्रेत है ;

(ख) "विषट्टि कम्पनी" से पालवान इन्जीनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड अभिप्रेत है।

(ग) "नव गठित कम्पनी" से पालवान ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन लिमिटेड अभिप्रेत है।

3. (क) 31 मार्च, 1983 को पालवान ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन लिमिटेड का शेयर धारण निम्नप्रकार है :—

शेयर धारकों का नाम	शेयरों की संख्या	रकम	कुल साम्या शेयर पूंजी का प्रतिशत
1	2	3	4
तमिलनाडु सरकार जिसके अन्तर्गत उसके नामनिर्देशित भी हैं।	प्रत्येक 10 रुपए के 1,20,00,000 रुपए साम्या शेयर	12 करोड़ रुपए	100 प्रतिशत

(ख) 31 मार्च, 1983 को पालवान इन्जीनियरिंग कार्पोरेशन का शेयर धारण इस प्रकार है :—

शेयर धारकों के नाम	शेयरों की संख्या	रकम	कुल साम्या शेयर पूंजी का प्रतिशत
1	2	3	4
पालवान ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन लिमिटेड, जिसके अन्तर्गत उसके नामनिर्देशित भी हैं	प्रत्येक 10 रुपए के 4,42,000 रुपए साम्या शेयर	44,20,000 रुपए	100 प्रतिशत

पालवान इन्जीनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड में पूर्ण रूप से समावृत प्रत्येक 10 रुपए के सभी 4,42,000 साम्या शेयर जो पालवान ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन, जिसके अन्तर्गत उसके नामनिर्देशित भी हैं, के नाम में धारित हैं, रह कर दिए जाएंगे।

(ग) नवगठित कम्पनी ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को जिसके नाम नियत दिन से ठीक पूर्व विषट्टि कम्पनी के सदस्यों के रजिस्टर में प्रकट होता है, रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा उसके शेयरों के अग्रहण और ऐसे शेयरों के अग्रहण पत्र के बारे में निश्चिन्ता देने वाली एक सूचना भेजेगी। नवगठित कम्पनी द्वारा सूचना कमसे कम 2 समाचारपत्रों में भी (जिनमें से एक प्रादेशिक भाषा में होगा) प्रकाशित की जाएगी जिसमें विषट्टि कम्पनी के शेयर धारकों की सूचना का प्रेषण अधिसूचित किया जाएगा।

4. कम्पनियों का सम्मेलन :—(1) नियत दिन से ही विषट्टि कम्पनी का उपक्रम उसके बिलगनों के, यदि कोई हों, अधीन रहते हुए, पालवान ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन लिमिटेड में अन्तर्गत हो जाएगा और उसमें निहित हो जाएगा, जो कम्पनी तुरंत ऐसे अन्तरण पर, सम्मेलन के परिणामस्वरूप नवगठित कम्पनी समक्ष आएगी।

(2) लेखा प्रयोजनों के लिए, सम्मेलन दोनों कम्पनियों के 31 मार्च, 1985 को संपरोक्षित लेखाओं और तुलनपत्रों के प्रतिनिधित्व से किया जाएगा और तत्पश्चात् संयवहार एक सामान्य लेखा में एकत्रित किए जाएंगे और विषट्टि कम्पनी से किसी पञ्चावर्ती तारीख को अपने अन्तिम लेखा तैयार किए जाने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और नवगठित कम्पनी 31 मार्च, 1985 को विद्यमान तुलनपत्र के अनुसार सभी आस्तियों और दायित्वों को ग्रहण कर लेगी तथा तत्पश्चात् सभी संयवहारों का पूर्ण उद्घारवाचित्य प्रतिगृहीत करेगी।

स्पष्टीकरण :—विषट्टि कम्पनी के उपक्रमों में सब अधिकार, शक्तियाँ, प्राधिकार और विशेषाधिकार तथा सब अंगम और स्वावर सम्पत्ति जिसके अन्तर्गत नवगठित विशेष आरक्षितियाँ भी हैं, राजस्व अतिशेष विनिधान और ऐसी सम्पत्ति में या उससे उत्पन्न होने वाले सब अन्य हित और अधिकार जो नियत दिन के ठीक पहले, विषट्टि कम्पनी के हैं, या उसके कब्जे में हैं, तथा तत्संबंधी सब लेखा बहियाँ, लेखे और वस्तावेजों और विषट्टि कम्पनी के किसी भी प्रकृति के उस समय विद्यमान सभी ऋण, दायित्व, कर्तव्य और बाध्यताएँ भी सम्मिलित हैं।

5. सम्पत्ति की कुछ मयों का अन्तरण :—इस आदेश के प्रयोजनों के लिए, नियत दिन को विषट्टि कम्पनी के सभी लाभ या हानियाँ या दोनों यदि कोई हों, और विषट्टि कम्पनी के राजस्व आरक्षित या कमी, या दोनों, यदि कोई हों, जब वे नवगठित कम्पनी को अन्तर्गत की जाएँ, तब वे नवगठित कम्पनी के यथास्थिति, लाभों या हानियों का और राजस्व आरक्षित या कमियों का क्रमशः भाग रूप होंगी।

6. संविदाओं आदि की व्यावृत्ति :—इस आदेश में अन्तर्लिखित अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, वे सभी संविदाएँ, बिलेख, बंधपत्र, करार और किसी भी प्रकृति की ऐसी अन्य लिखतें जिसकी विषट्टि कम्पनी एक पक्षकार है, और जो नियत दिन के ठीक पूर्व अस्तित्वशील या प्रभावी हों, नवगठित कम्पनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में उनका बैसा ही पूर्ण बल और प्रभाव होगा और वे वैसे ही पूर्णतः और प्रभावी रूप से प्रवर्तित की जा सकेंगी मानो विषट्टि कम्पनी के बनाए नव गठित कम्पनी उसकी कोई पक्षकार रही हो।

7. विधिक कार्यवाहियों की व्यावृत्ति :—यदि नियत दिन को विषट्टि कम्पनी द्वारा या उसके विरुद्ध कोई वाद, अभियोजन, अपील या किसी प्रकार की अन्य विधिक कार्यवाही संज्ञित है तो वह विषट्टि कम्पनी के उपक्रम के नवगठित कम्पनी को अन्तर्गत होने के कारण या इस आदेश में किसी बात के होने के कारण उपशमित या बंद या किसी भी प्रकार से प्रतिकूलतः प्रभावित नहीं होगी, किन्तु वह वाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाही विषट्टि कम्पनी द्वारा या उसके विरुद्ध उसी रीति में और उसी विस्तार तक चालू रखी जा सकेंगी, अभियोजित की जा सकेंगी और प्रवर्तित की जा सकेंगी मानो यह आदेश न किया गया हो।

8. कराधान के बारे में उपबंध :—नियत दिन के पूर्व विषट्टि कम्पनी द्वारा चलाए गए कारबार के (सामों और अधिलामों की बात) (जिस के अन्तर्गत संचित हानियाँ और अनामेित प्रवक्तव्य भी हैं) सभी कर ऐसी रियायतों और अनुसूचियों के अधीन रहते हुए, जो इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन अनुज्ञात किए जाएँ, नवगठित कम्पनी द्वारा देय होंगे।

9. विषट्टि कम्पनी के विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बात उपबंध :—विषट्टि कम्पनी में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्ण कालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (जिसके अन्तर्गत विषट्टि कम्पनी के निदेशक नहीं हैं), नियत दिन से ही नवगठित कम्पनी का यथास्थिति, अधिकारी या अन्य कर्मचारी हो जाएगा और वह अपना पद या अपनी सेवा उसी पद्धति के आधार पर उन्हीं निबंधनों और शर्तों पर तथा उन्हीं अधिकारों, विशेषाधिकारों पर धारण करता रहेगा जिन पर वह विषट्टि कम्पनी के अधीन उस दशा में धारण करता जिसमें यह आदेश नहीं किया गया होता और तब तक ऐसे धारण करता रहेगा जब तक कि नवगठित कम्पनी में उसके नियोजन का सम्यक् रूप से पर्याप्त नही कर दिया जाता है या जब तक उसके नियोजन के पारिभाषिक और शर्तों के सम्यक् रूप से पारस्परिक पहुँचता द्वारा परिवर्तित नहीं कर दिया जाता।

10. निदेशकों की नियति :—विषयित कम्पनी का ऐसा प्रत्येक निदेशक जो नियत दिन के ठीक पूर्व उक्त रूप में प्रधारण किए हुए है, नियत दिन को विषयित कम्पनी का निदेशक नहीं रहेगा।

11. पालवान इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड का विघटन :—इस आदेश के अन्वय उपबंधों के अधीन रहते हुए नियत दिन से ही पालवान इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड का विघटन कर दिया जाएगा और कोई व्यक्ति विषयित कम्पनी के विरुद्ध या निदेशक या किसी अधिकारी की हैसियत में उसके किसी निदेशक या अधिकारी के विरुद्ध कोई दावा, मांग या कार्यवाही बलों के सिवाय नहीं करेगा, जहां वह इस आदेश के उपबंधों को परिचित करने के लिए आवश्यक हो।

12. कम्पनियों के रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण :—कम्पनी विधि बोर्ड, इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात् तत्पश्चात् कम्पनी रजिस्ट्रार, तमिलनाडु को इस आदेश की एक प्रति भेजेगा जिसकी प्राप्ति पर कम्पनी रजिस्ट्रार, तमिलनाडु नवगठित कम्पनी द्वारा विहित फीस के संदाय पर आदेश को रजिस्ट्रार करेगा और इस आदेश की प्रति की प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा।

तत्पश्चात् कम्पनी रजिस्ट्रार तमिलनाडु, तुरंत अन्तरक कम्पनी से संबंधित उसके पास रजिस्ट्रीकृत, अभिलिखित या फाइल किए गए सभी दस्तावेजों को मिससे पालवान ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड की फाइल में सम्मिलित करेगा जिसके साथ अन्तरक कम्पनी को समाहित किया गया है और इनको समेकित करेगा तथा समेकित दस्तावेजों को अपनी फाइल में रखेगा।

13. नवगठित कम्पनी का शापन और संगत अनुच्छेद :—पालवान ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड के शापन और संगत अनुच्छेद जैसे वे नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान थे, नियत दिन से ही नवगठित कम्पनी के शापन और संगत अनुच्छेद हो जाएंगे।

[सं. 24/5/85-सी. एल. III]

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश द्वारा।

भार. एल. बंसल, सदस्य, कम्पनी विधि बोर्ड

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Company Affairs)
ORDER

New Delhi, the 9th July, 1986

S.O. 415(E).—Whereas, the Company Law Board is satisfied that for the purpose of securing the principal objects of the Pallavan Engineering Corporation Limited, a Govt. Company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at Pallavan House, Pallavan Salai, Madras-600002 and for the purpose of securing the use of scarce resources of equipment, personnel and material, for ensuring co-ordination in policy and the efficient and economic expansion and working of manufacturing the automobile accessories, road transportation and allied activities, it is essential in public interest that the Pallavan Transport Corporation Limited, a Government Company, incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at Pallavan House, Anna Salai, Madras-600002 and the said Pallavan Engineering Corporation Limited, should be amalgamated into a single company.

And whereas, a copy of the proposed Order was sent in draft to the companies aforesaid namely, M/s. Pallavan Transport Corporation Ltd., and M/s. Pallavan Engineering Corporation Ltd. for its Publication in the newspaper and no Objections/suggestions have been received by the Company Law Board in regard to the Scheme of Amalgamation from any person.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), read with the Notification of the Government of India in the Department of Company Affairs, No. GSR. 443(E), dated the 18th October, 1972, the Company Law Board hereby makes the following Order to provide for the amalgamation of the said two companies, namely :—

1. Short Title.—This Order may be called as the Pallavan Engineering Corporation Limited and Pallavan Transport Corporation Limited (Amalgamation) Order, 1986.

2. Definitions.—In this Order unless the context otherwise requires :—

- (a) "appointed day" means the date on which this Order is notified in the Official Gazette;
- (b) "dissolved Company" means the Pallavan Engineering Corporation Limited;
- (c) "resulting Company" means the Pallavan Transport Corporation Limited.

3. (a) The share holding pattern of Pallavan Transport Corporation Limited as on 31st March, 1983 is as under :—

Name of shareholders	No. of shares	Amount	Percentage of the Total equity share capital
1	2	3	4
Government of Tamil Nadu including their nominees	1 20,00,000 equity shares of Rs. 10 each	Rs 12 crores	100%

(b) The share holding pattern of Pallavan Engineering Corporation as on 31st March, 1983 is as under :—

Name of shareholders	No. of shares	Amount	Percentage of the Total equity share capital
1	2	3	4
Pallavan Transport Corporation Limited including its nominees	4,42,000 equity shares of Rs. 10 each	44,20,000	100%

All the 4,43,000 equity shares of Rs. 10 each fully paid-up in Pallavan Engineering Corporation Limited which are held in the name of Pallavan Transport Corporation including its nominees shall be cancelled.

(c) The resulting Company shall send by registered post acknowledgement due to every person whose names appear immediately before the appointed day in the register of members of the dissolved Company, a notice giving particulars as to the allotment of shares to him and allotment letter for such shares. A notice shall also be published by the resulting Company in at least 2 newspapers (one of which shall be in the regional language) notifying the despatch of the notice to the share holders of the dissolved Company.

4. Amalgamation of the Companies.—(1) On and from the appointed day, the undertaking of the dissolved Company, subject to encumbrances thereof, if any, shall stand transferred to and vest in the Pallavan Transport Corporation Limited, which Company shall immediately on such transfer, be deemed to be the Company resulting from the amalgamation.

(2) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheets as on the 31st March, 1985 of the two companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account and the dissolved Company shall not be required to prepare its final accounts as on any later date and the resulting Company shall take over all assets and liabilities according to the balance sheet as on 31st March, 1985 and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation : The undertaking of the dissolved Company shall include all rights, powers authorities and privileges and all property movable or immovable including cash balance reserves, revenue balances, investments and all other interests and rights in or arising out of such property as may belong to, or be in the possession of the dissolved Company immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved Company.

5. Transfer of Certain Items of Property.—For the purposes of this Order, all the profits or losses, or both, if any, of the dissolved Company as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved Company when transferred to the resulting Company shall respectively form part of the profits or losses, and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting Company.

6. Saving of Contracts etc.—Subject to the other provisions contained in this Order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved Company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall have full force and effect against or in favour of the resulting Company and may be enforced as fully and effectually, as if,

instead of the dissolved Company, the resulting Company had been a party thereto.

7. Saving of Legal Proceedings.—If, on the appointed day, any suit, prosecution, appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved Company be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting Company of the undertaking of the dissolved Company or of anything contained in this Order; but the suit, prosecution appeal or other legal proceedings may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting Company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved Company, if this Order had not been made.

8. Provisions with Respect to Taxation.—All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved Company before the appointed day shall be payable by the resulting Company, subject to such concession and reliefs as may be allowed under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) as a result of this amalgamation.

9. Provisions Respecting Existing Officers and other Employees of the Dissolved Company.—Every whole-time officer or other employee (excluding the directors of the dissolved Company) employed immediately before the appointed day in the dissolved Company, shall, as from the appointed day, become an officer or other employee, as the case may be, of the resulting Company and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he would have held the same under the dissolved Company, if this Order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting Company is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

10. Position of Directors.—Every director of the dissolved Company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a director of the dissolved Company on the appointed day.

11. Dissolution of the Pallavan Engg. Corporation Ltd.—Subject to the other provisions of this Order, as from the appointed day, the Pallavan Engineering Corporation Limited, shall be dissolved and no person shall make, asset or take any claims, demands or proceedings against the dissolved Company or against a director or an officer thereof in his capacity as such director or officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this Order.

12. Registration of the Order by the Registrar of Companies.—The Company Law Board, shall as soon as may be, after this Order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Tamilnadu, a copy of this Order, on receipt of which

the Registrar of Companies, Tamil Nadu shall register the Order on payment of the prescribed fees by the resulting Company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this Order.

Thereafter the Registrar of Companies, Tamilnadu shall forthwith include all documents registered, recorded or filed with him relating to the transfer or company on the file of M/s. Pallavan Transport Corporation Limited, with whom the transferee company has been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

13. Memorandum and Articles of Association of the Resulting Company.—The Memorandum and Articles of Association of the Pallavan Transport Corporation Limited as they stood immediately before the appointed day shall, as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting Company.

[No. 24/5/85-CL.III]

By Order of the Company Law Board,
R. N. BANSAL, Member, Company Law Board

